विश्व पर्यावरण दिवस पर डीयू, आंबेडकर और इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में पौधरोपण

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. आंबेडकर विश्वविद्यालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) में पौधरोपण अभियान चलाया गया। डीयू में कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अभियान की शुरुआत सिंदूर का पौधा लगाकर की। वाइस रीगल लॉज स्थित वीसी लाउंज में इस दौरान डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी, दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह, वित्त अधिकारी गिरीश रंजन और कल्चर काउंसिल के चेयरपर्सन ने भी सिंदूर का पौधा लगाया।

इस अवसर पर प्रो. योगेश सिंह ने कहा सिंदूर भारत के शौर्य और अस्मिता का प्रतीक बन चुका है। सिंदूर का पेड़ केवल धार्मिक या व्यापारिक दृष्टि से ही नहीं, औषधीय दृष्टि से भी बहुत लाभकारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कम से कम एक-एक पेड़ लगाने का आह्वान किया।

अंबेडकर विश्वविद्यालय ने धीरपुर वैटलैंड में 200 पौधे लगाए

वहीं, आंबेडकर विश्वविद्यालय की ओर से धीरपुर वेटलैंड परियोजना में पौधरोपण अभियान चलाया गया। कुलपति प्रो. अनु सिंह लाठर, संकाय और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से कुल 200 पौधे लगाए गए। डीडीए के साथ समझौते के माध्यम से विश्वविद्यालय धीरपुर आद्रभूमि को बहाल करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। इस दौरान कुलपति ने कहा कि एक पेड़ लगाना न केवल प्रकृति के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेम व्यक्त करना है।

आईपीयू के छात्रों ने पर्यावरण बचाने की ली शपथ

आईपी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने पर्यावरण बचाने की शपथ ली। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजनेंट के डीन प्रो. वरुण जोशी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण का महत्व समझाया। कहा कि साल दर साल जलवायु खराब होती जा रही है, हमारा कर्तव्य है कि प्रकृति को बचाने और संरक्षित करने में मदद करें। इस दौरान एक पौधा मां के नाम अभियान के दूसरे संस्करण की शुरुआत की गई। इसके तहत तीस हजार पौधे लगाने का लक्ष्य है। इसके अलावा हरियाली योजना के तहत चौदह हजार पौधे लगाने का लक्ष्य है।